all Mail/Express and Passenger trains are scheduled to stop at Ambala City Station, adequately catering to the needs of passengers there. Provision of stoppages, also of the aforementioned three train services at Ambala City has not been found justified having regard to quantum of long distance traffic offering at this station.

Railway Crossing at Jagadhri (N. Rly.)

826. **Shri Suraj Bhan:** Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) the number of casualties on the Railway crossing at Jagadhri till the end of 1966; and

(b) the steps taken to construct an overbridge there to avoid such mishaps and facilitate the traffic in the biggest industrial centre of the district?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) There has been no reported casualty on the level crossing gate at Jagadhri either on account of trespassing or due to collision between road vehicles and trains in the recent years.

(b) The Railways are prepared to construct road over/under bridges in replacement of any of the existing busy level crossings provided the schemes are sponsored by the State Government and provided the State Government or the Road authority agree to bear their share of the cost. Broadly, the cost of the bridge proper for a width of 24 ft. is borne by the Railway and the cost of sloping approaches and any additional width of the bridge proper by the State Government or the Road authority.

No firm proposal to construct a road overbridge at the Jagadhri level crossing has been received from the State Government so far.

बुलन्दशहर जिले की खुर्जा तहसील में उद्योग

827. **श्री राम चरण :** क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चौथी पंचवर्षीय योजना में बुलन्दशहर जिले की खुर्जा तहसील में केन्द्रीय सहायता से कौन कौन से उद्योग स्थापित करने का विचार है ; और

(ख) इस कार्य के लिये गैर सरकारी उद्योगों को कितनी वित्तीय सहायता देने का विचार है?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद): (क) चौथी पंचवर्षीय योजना की अवधि में बुलन्दशहर जिले की खुर्जा तहसील में केन्द्रीय सरकार की कोई भी परियोजना स्थापित करने का प्रस्ताव नहीं है। खुर्जा तहसील में राज्य सरकार या गैर सरकारी उद्यमियों द्वारा उद्योग स्थापित करने के किसी भी प्रस्ताव के संबंध में केन्द्रीय सरकार को कोई भी जानकारी नहीं है।

(ख) प्राइवेट उद्योगों को विभिन्न वित्तीय संस्थाओं जैसे औद्योगिक वित्त निगम, औद्योगिक विकास बैंक आदि के द्वारा वित्तीय सहायता दी जाती है। खुर्जा तहसील में यदि कोई उद्योग स्थापित किया जाता है तो वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिये वह इन संस्थाओं से बातचीत कर सकता है।

दिल्ली और बुलन्दशहर के बीच सीधी रेलवे लाइन

828. **श्री राम चरण :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान उत्तर रेलवे के 31 दिसम्बर, 1966 के 'हिन्दुस्तान' में प्रकाशित जनरल मैनेजर के इस वक्तव्य की ओर दिलाया गया है कि दिल्ली और

बुलन्दशहर के बीच एक सीधी रेलवे लाइन की स्थापना की मांग स्वीकार कर ली गई है तथा इस बारे में शीघ्र ही कार्यवाही की जायेगी ;

(ख) यदि हां तो इस बारे में अब तक क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ग) इस लाइन के कब तक चालू हो जाने की सम्भावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री सी० एम० पुनाचा) : (क) बुलन्दशहर के निवासियों ने उत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक को एक अभ्यावेदन दिया था, जिस पर महाप्रबन्धक ने दिल्ली और बुलन्दशहर के बीच केवल एक सीधी गाड़ी चलाने के प्रस्ताव की जांच करने का आश्वासन दिया था, इन दोनों स्थानों के बीच सीधी रेलवे लाइन के निर्माण की जांच करने का नहीं । सीधी गाड़ी चलाने के के प्रस्ताव की जांच की गयी लेकिन इसे व्यवहारिक नहीं पाया गया ।

(ख) दिल्ली और बुलन्दशहर के बीच एक नयी सीधी रेलवे लाइन बनाने का कोई विचार नहीं है, क्योंकि ये दोनों स्थान दो भिन्न भागों के जरिये पहले से ही रेलवे लाइनों द्वारा जुड़े हैं ।

(ग) सवाल नहीं उठता ।

रेल के माल डिब्बों से माल उतारने का भाड़ा

829. श्री रामसेवक यादव : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेल के माल डिब्बों से क्रेनों की मदद से जनता का माल उतारने के लिये कितना भाड़ा लिया जाता है ;

(ख) वर्तमान क्रेन भाड़े कब निश्चित किये गये थे और क्या रेलवे प्रशासन को तब से अन्य व्यय में वृद्धि हो जाने के कारण हानि उठानी पड़ती है ;

(ग) यदि हां, तो क्या रेलवे प्रशासन का विचार इन भाड़ा दरों में परिवर्तन करने का है ; और

(घ) यदि हां तो कब से ?

रेलवे मंत्री (श्री सी० एम० पुनाचा) : (क) इस समय जो प्रभार लागू है उनका ब्यौरा सभा पटल पर रखे गये विवरण में दिया गया है [पुस्तकालय में रख दिया गया देखिये संख्या एल० टी० 317/ 67] ।

(ख) से (घ). ये प्रभार, मार्च 1961 में लागू किये गये थे । ये प्रभार क्रेनों की व्यवस्था करने और उनके अनुरक्षण तथा परिचालन पर रेलवे द्वारा किये जाने वाले खर्च को ध्यान में रखकर निर्धारित किये गये थे । खर्च की सभी मदों में लगातार वृद्धि होती रही है । वर्तमान दरें खर्च के के वर्तमान स्तर से मेल नहीं खाती और उनमें परिवर्तन करने के प्रश्न की जांच की जा रही है । इस सम्बन्ध में शीघ्र ही निर्णय किये जाने की आशा है ।

उत्तर रेलवे की क्रेन क्षमता

830. श्री रामसेवक यादव : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर रेलवे के पास इस समय कितने क्रेन हैं ;

(ख) क्या यह क्षमता आवश्यकतायें पूरी करने के लिये पर्याप्त नहीं हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि क्रेनों की कमी के परिणाम स्वरूप माल डिब्बे जिन पर क्रेन से माल लादा जाता है, रुके पड़े रहते हैं ; और

(घ) यदि हां, तो स्थिति में सुधार करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

रेलवे मंत्री (श्री सी० एम० पुनाचा) : (क) 30.9.1966 को उत्तर रेलवे के पास जो क्रेन उपलब्ध थे उनका विवरण